नामांक				Roll No.		

No. of Questions – **14**

S-01-Hindi

No. of Printed Pages – **12**

माध्यमिक परीक्षा, 2017

SECONDARY EXAMINATION, 2017

हिन्दी

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें ।

(2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।

(4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

Downloaded from www.cclchapter.com

खण्ड – क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मनुष्य का हृदय बड़ा ममत्व प्रेमी है । कैसी ही उपयोगी और कितनी ही सुंदर वस्तु क्यों न हो, जब तक मनुष्य उसको पराई समझता है, तब तक उससे प्रेम नहीं करता किंतु भद्दी और बिलकुल काम में न आने वाली वस्तु को यदि मनुष्य अपनी समझता है, तो उससे प्रेम करता है । पराई वस्तु कितनी भी मूल्यवान क्यों न हो, कितनी ही उपयोगी क्यों न हो, कितनी ही सुंदर क्यों न हो, उसके नष्ट होने पर मनुष्य कुछ भी दु:ख का अनुभव नहीं करता, इसलिए कि वह वस्तु, उसकी नहीं, पराई है । अपनी वस्तु कितनी ही भद्दी हो, काम में न आने वाली हो, नष्ट होने पर मनुष्य को दु:ख होता है, इसलिए कि वह अपनी चीज है । कभी-कभी ऐसा भी होता है कि मनुष्य पराई चीज से प्रेम करने लगता है । ऐसी दशा में भी जब तक मनुष्य उस वस्तु को अपनाकर नहीं छोड़ता, अथवा अपने हृदय में यह विचार नहीं कर लेता कि वह वस्तु मेरी है, तब तक उसे संतोष नहीं मिलता । ममत्व से प्रेम उत्पन्न होता है, और प्रेम से ममत्व । इन दोनों का साथ चोली-दामन का साथ है । ये कभी पृथक् नहीं किए जा सकते ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । **1**

(ख) मनुष्य का हृदय किस प्रकृति का है ? **2**

(ग) मनुष्य को कब संतोष मिलता है ? **2**

(घ) मनुष्य दु:ख का अनुभव कब नहीं करता है ? **2**

Downloaded from www.cclchapter.com

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

स्वप्न आता स्वर्ग का, दृग
कोरकों में दीप्ति आती,
पंख लग जाते पगों को
ललकती उन्मुक्त छाती ।
रास्ते का एक काँटा
पाँव का दिल चीर देता
रक्त की दो बूँद गिरती
एक दुनिया डूब जाती
आँख में हो स्वर्ग लेकिन
पाँव पृथ्वी पर टिके हों ।
कंटकों की इस अनोखी
सीख का सम्मान कर ले ।
पूर्व चलने के बटोही
बाट की पहचान कर ले ।।

(क) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । **1**

(ख) पैरों में पंख लगने से कवि का क्या आशय है ? **2**

(ग) बाट (राह) की पहचान करना क्यों आवश्यक है ? **2**

(घ) मार्ग के काँटे हमें क्या सीख देते हैं ? **2**

अथवा

Downloaded from www.cclchapter.com

मनमोहिनी प्रकृति की जो गोद में बसा है,

सुख स्वर्ग-सा जहाँ है, वह देश कौन-सा है ?

जिसका चरण निरंतर रत्नेश धो रहा है,

जिसका मुकुट हिमालय, वह देश कौन-सा है ?

नदियाँ जहाँ सुधा की धारा बहा रही हैं,

सींचा हुआ सलोना, वह देश कौन-सा है ?

जिसके बड़े रसीले फल, कंद, नाज, मेवे,

सब अंग में सजे हैं, वह देश कौन-सा है ?

(क) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । **1**

(ख) नदियों में किसकी धारा बह रही है ? **2**

(ग) पद्यांश में 'मनमोहिनी' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ? **2**

(घ) उपर्युक्त पद्यांश का सार दो पंक्तियों में लिखिए । **2**

खण्ड – ख

3. दिए गए बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबंध लिखिए । **9**

(क) स्वच्छता का महत्त्व

(1) स्वच्छता क्या है ?

(2) स्वच्छता के प्रकार

(3) स्वच्छता के लाभ

(4) स्वच्छता : हमारा योगदान

(5) उपसंहार

Downloaded from www.cclchapter.com

(ख) जीवन की अविस्मरणीय घटना

(1) अविस्मरणीय घटना क्या होती है ?

(2) घटना के कारण

(3) घटना का प्रभाव/वर्णन

(4) सुझाव/उपसंहार

(ग) वृक्ष : हमारे सच्चे मित्र

(1) वृक्षों का महत्त्व

(2) वृक्षों के लाभ

(3) वृक्षों का विकास

(4) हमारा दायित्व/समेकन

(घ) खुला शौच मुक्त गाँव

(1) खुला शौच मुक्त से आशय

(2) सरकारी प्रयास

(3) जन जागरण

(4) हमारा योगदान

(5) महत्त्व/उपसंहार

Downloaded from www.cclchapter.com

4. स्वयं को गजपुर निवासी मदन मानते हुए अपने जिले के जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखिए, जिसमें आपके विद्यालय में रिक्त पदों पर शिक्षक लगाने का निवेदन हो । **5**

अथवा

अपने आप को रामपुर निवासी रतन मानते हुए जिला चिकित्सा अधिकारी को पत्र लिखिए । पत्र में आपके गाँव में अतिवृष्टि के कारण फैल रही मौसमी बीमारियों की रोकथाम का निवेदन हो । **5**

5. (क) "मोर उड़ गया ।" वाक्य में कौन-सी क्रिया है ? लिखिए । **2**

(ख) दुर्गा कक्षा की विदुषी छात्रा है । रेखांकित पदों का पद परिचय दीजिए । (**दो** बिंदु) **2**

(ग) संयुक्त वाक्य किसे कहते हैं ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । **2**

(घ) "रंग जमना" मुहावरे का अर्थ व वाक्य प्रयोग बताइए । **1**

(ङ) "अधजल गगरी छलकत जाय" लोकोक्ति का वाक्य प्रयोग कीजिए जिससे इसका अर्थ स्पष्ट हो । **1**

(च) "कोटि कुलिस सम वचनु तुम्हारा" पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ? स्पष्ट कीजिए । **2**

खण्ड – ग

6. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

ऊधौ, तुम हो अति बड़भागी ।

अपरस रहत सनेह तगा हैं, नाहिन मन अनुरागी ।

पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी ।

ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूंद न ताकौं लागी ।

प्रीति-नदी में पाउँ न बौर्‌यो, दृष्टि न रूप परागी ।

'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी ।।

(क) गोपियों ने उद्‌धव को बड़भागी क्यों कहा ? **2**

(ख) "प्रीति-नदी में पाउँ न बौर्‌यो ।" पंक्ति से क्या आशय है ? **2**

अथवा

Downloaded from www.cclchapter.com

विकल-विकल, उन्मन थे उन्मन

विश्व के निदाघ के सकल जन

आए अज्ञात दिशा से अनंत के घन !

तप्त धरा, जल से फिर शीतल कर दो –

बादल, गरजो !

(क) धरती के निवासी बेचैन क्यों हैं ? **2**

(ख) "बादल गरजो !" पंक्ति का भावार्थ लिखिए । **2**

7. निम्नलिखित प्रश्नों (किन्हीं **तीन**) के उत्तर लिखिए ।

(क) गोपियों ने कृष्ण को 'हारिल की लकड़ी' क्यों कहा ? **2**

(ख) कवि नागार्जुन के अनुसार फसल क्या-क्या है ? **2**

(ग) मंगलेश डबराल की कविता 'संगतकार' में मुख्य गायक का साथ कौन देता है ? स्पष्ट कीजिए । **2**

(घ) राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद में लक्ष्मण ने योद्धा की क्या-क्या विशेषताएँ बताई हैं ? **2**

8. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

सुनि कटु वचन कुठार सुधारा

हाय-हाय सब सभा पुकारा ।

भृगुबर परसु देखा बहु मोही

बिप्र बिचारि बचौं नृपद्रोही ।

मिले न कबहूँ सुभट रन गाढ़े

द्विजदेवता घरहि के बाढ़े ।

अनुचित कहि सबु लोगु पुकारे

रघुपति सयनहि लखनु नेवारे ।।

Downloaded from www.cclchapter.com

(क) "द्विजदेवता घरहि के बाढ़े" पंक्ति का भावार्थ लिखिए । **1**

(ख) 'भृगुबर' किसे कहा गया है ? **1**

(ग) सभा में हाय-हाय की पुकार क्यों हुई ? **1**

(घ) 'सुभट' का क्या अर्थ है ? **1**

अथवा

पाँयनि नूपुर मंजु बजैं, कटि किंकिनि कै धुनि की मधुराई ।

साँवरे अंग लसै पट पीत, हिये हुलसै बनमाल सुहाई ।

माथे किरीट बड़े दृग चंचल, मंद हँसी मुखचंद जुन्हाई ।

जै जग-मंदिर-दीपक सुंदर, श्री ब्रजदूलह 'देव' सहाई ।।

(क) 'जग-मंदिर-सुंदर' में कौन-सा अलंकार है ? **1**

(ख) "श्री कृष्ण" को ब्रज का दूल्हा क्यों कहा गया है ? **1**

(ग) श्रीकृष्ण का रूप वर्णन अपने शब्दों में कीजिए । **1**

(घ) 'किरीट' का क्या अर्थ है ? **1**

9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

फादर को याद करना एक उदास शांत संगीत को सुनने जैसा है । उनको देखना करुणा के जल में स्नान करने जैसा था और उनसे बात करना कर्म के संकल्प से भरना था । मुझे 'परिमल' के वे दिन याद आते हैं जब हम सब एक पारिवारिक रिश्ते में बँधे जैसे थे जिसके बड़े फादर बुल्के थे । हमारे हँसी-मजाक में वह निर्लिप्त शामिल रहते, हमारी गोष्ठियों में वह गंभीर बहस करते, हमारी रचनाओं पर बेबाक राय और सुझाव देते और हमारे घरों के किसी भी उत्सव और संस्कार में वह बड़े भाई और पुरोहित जैसे खड़े हो हमें अपने आशीषों से भर देते । मुझे अपना बच्चा और फादर का उसके मुख में पहली बार अन्न डालना याद आता है ।

(क) फादर को याद करना, उदास संगीत सुनने जैसा क्यों था ? **2**

(ख) 'परिमल' की गोष्ठियों में क्या-क्या होता था ? **2**

अथवा

Downloaded from www.cclchapter.com

और सभ्यता ? सभ्यता है संस्कृति का परिणाम । हमारे खाने पीने के तरीके, हमारे ओढ़ने पहनने के तरीके, हमारे गमनागमन के साधन, सब हमारी सभ्यता हैं । मानव की जो योग्यता उससे आत्म-विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति ? और जिन साधनों के बल पर वह दिन-रात आत्म-विनाश में जुटा हुआ है, उन्हें हम उसकी सभ्यता समझें या असभ्यता ? संस्कृति का यदि कल्याण की भावना से नाता टूट जाएगा तो वह असंस्कृति होकर ही रहेगी और ऐसी संस्कृति का अवश्यंभावी परिणाम असभ्यता के अतिरिक्त दूसरा क्या होगा ?

(क) उपर्युक्त गद्यांश में सभ्यता के कौन-कौन से लक्षण बताए गए हैं ? **2**

(ख) संस्कृति का नाता किससे है ? **2**

10. निम्नलिखित प्रश्नों (कोई **तीन**) के उत्तर लिखिए : (उत्तर सीमा – **40** शब्द)

(क) बालगोबिन भगत की तीन चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए । **2**

(ख) "फादर कामिल बुल्के संकल्प से संन्यासी थे ।" स्पष्ट कीजिए । **2**

(ग) 'एक कहानी यह भी' के आधार पर सिद्ध कीजिए कि मन्नू भण्डारी बाल्यकाल से ही जिद्दी व विद्रोही स्वभाव की थीं । **2**

(घ) शहनाई वादक बिस्मिल्ला खां का जीवन परिचय दीजिए । **2**

Downloaded from www.cclchapter.com

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (उत्तर सीमा – **40** शब्द)

(क) हिंदी के विकास में महावीर प्रसाद द्विवेदी के योगदान को रेखांकित कीजिए । **2**

(ख) "लखनवी अंदाज" कहानी की संवेदना को सार रूप में लिखिए । **2**

खण्ड – घ

12. " 'माता का आँचल' पाठ देहाती दुनिया का मनोरम दृश्य है ।" स्पष्ट कीजिए । (उत्तर सीमा – **80** शब्द) **4**

अथवा

"मैं क्यों लिखता हूँ ।" पाठ में लेखक अज्ञेय ने लिखने के क्या-क्या कारण बताए हैं ? विस्तार से समझाइए । (उत्तर सीमा – **80** शब्द) **4**

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लिखिए : (उत्तर सीमा – **40** शब्द)

(क) जॉर्ज पंचम की नाक वापस लगाने के लिए मूर्तिकार ने क्या किया ? **2**

(ख) "चित्रलिखित-सी मैं 'माया' और 'छाया' के इस अनूठे खेल को भर-भर आँखों देखती जा रही थी ।" 'साना साना हाथ जोड़ि....' पाठ के आधार पर यह खेल कौन-सा था ? बताइए । **2**

(ग) "दुलारी का टुन्नू के प्रति पवित्र प्रेम था ।" स्पष्ट कीजिए । **2**

(घ) "'माता का आँचल' पाठ में बालक भोलानाथ व बाबूजी के मित्रवत प्रेम के साथ वात्सल्य भी उभरता है ।" सोदाहरण समझाइए । **2**

Downloaded from www.cclchapter.com

14. (क) गाड़ी चलाने के लिए क्या आवश्यक है ? **2**

(ख) शराब पीकर गाड़ी क्यों नहीं चलानी चाहिए ? **2**

———————

Downloaded from www.cclchapter.com

DO NOT WRITE ANYTHING HERE

Downloaded from www.cclchapter.com